No. of Printed Pages : 6

BPYE-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2022

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the questions. All questions carry equal marks. Answers to Questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Critically elaborate some theories of the origin of religion. *20*

OR

Explain the teleological and cosmological proofs for the Existence of God. *20*

2. Explain the significance of religious language. *20*

OR

Give the importance of inter-religious dialogue. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) What is religious fundamentalism ? How can we avoid it ? *10*

(b) What is ritualistic interpretation of religion ? *10*

(c) Mention some religious trends of post-modernism. *10*

(d) What are the nature and attributes of God ? *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Mention some modern arguments for God's existence. *5*

(b) Elaborate upon the idea of divine simplicity. *5*

(c) Comment on the anthropological origin of religion. *5*

(d) What is 'the experience of the holy' as elaborated by Rudolf Otto ? *5*

(e) How do you define religious experience ? *5*

(f) How can we solve religious conflicts with the help of evidence ? *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Requisites for genuine inter-religious dialogue *4*

(b) Analogical Way *4*

(c) Numinous *4*

(d) Totemism *4*

(e) Etymology of the word 'religion' *4*

(f) Idealism *4*

(g) Moral Argument for the Existence of God *4*

(h) God as Eternal *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म-दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं.* ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

1. धर्म के उत्पत्ति सम्बन्धी कुछ सिद्धान्तों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

ईश्वर की सत्ता/अस्तित्व की सिद्धि के प्रयोजनवादी एवं ब्रह्माण्डीय साक्ष्यों/तर्कों की व्याख्या कीजिए । *20*

2. धार्मिक भाषा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

अन्तःधार्मिक संवाद के महत्त्व को बताइए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) धार्मिक कट्टरवाद क्या है ? इससे हम कैसे बच सकते हैं ? *10*

(ख) धर्म की आनुष्ठानिक व्याख्या क्या है ? *10*

(ग) उत्तर-आधुनिकतावाद की कुछ धार्मिक प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । *10*

(घ) ईश्वर के स्वरूप एवं गुण क्या हैं ? *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि की कुछ आधुनिक युक्तियों का उल्लेख कीजिए । *5*

(ख) दैवीय सरलता के विचार को बताइए । *5*

(ग) धर्म की मानवशास्त्रीय (एंथ्रोपोलॉजिकल) उत्पत्ति पर टिप्पणी कीजिए । *5*

(घ) रुडोल्फ ऑटो द्वारा वर्णित 'धर्मात्मा का अनुभव' क्या है ? *5*

(ङ) धार्मिक अनुभव को आप कैसे परिभाषित करते हैं ? *5*

(च) साक्ष्यों की सहायता से धार्मिक संघर्षों को हम कैसे सुलझा सकते हैं ? *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वास्तविक अन्तःधार्मिक संवाद की आवश्यकताएँ *4*

(ख) सादृश्यतामूलक तरीका *4*

(ग) दिव्यतत्व *4*

(घ) टोटेमवाद *4*

(ङ) 'धर्म' पद की व्युत्पत्ति *4*

(च) प्रत्ययवाद (आइडियलिज़्म) *4*

(छ) ईश्वर के अस्तित्व सिद्धि हेतु नैतिक तर्क/युक्ति *4*

(ज) शाश्वत के रूप में ईश्वर *4*